गोरखपुर से प्रकाशित

Title Code: UPBIL05289

स्वदेशी इनक्रेडिबल

द्विभाषी (साप्ताहिक)

वर्ष–1 अंक–1 (प्रवेशांक) | गोरखपुर, रविवार 25 जून 2023 | पृष्ठ–8 | मूल्य–2 रुपया

भारत का अर्टेमिस संधि में शामिल होना अंतरिक्ष क्षेत्र में एक बड़ा कदम : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत ने अर्टेमिस संधि में शामिल होकर अंतरिक्ष सहयोग में 'एक बड़ा कदम आगे बढाया है। उल्लेखनीय है कि 1967 की बाह्य अंतरिक्ष संधि पर आधारित अर्टेमिस संधि असैन्य अंतरिक्ष अन्वेषण और 21वीं सदी में इसके इस्तेमाल को दिशानिर्देशित करने के लिए तैयार किये गये गैर–बाध्यकारी सिद्धांतों का एक सेट है। यह 2025 तक चंद्रमा पर मानव को फिर से भेजने का अमेरिका नीत प्रयास है, जिसका लक्ष्य मंगल और अन्य ग्रहों तक अंतरिक्ष अन्वेषण करना है।

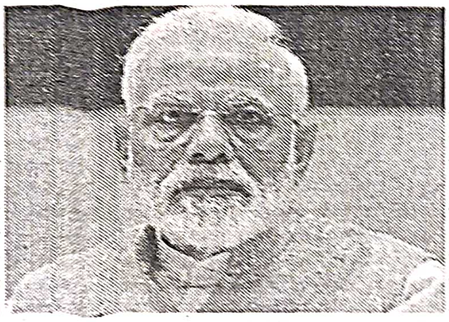

भारत ने बृहस्पतिवार को अर्टेमिस समझौते में शामिल होने का फैसला किया। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ व्हाइट हाउस में एक संववाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, "अर्टेमिस समझौते में शामिल होने का फैसला करके, हमने अपने अंतरिक्ष सहयोग में एक बड़ा कदम आगे बढ़ाया है। वास्तव में अब साझेदारी के लिए भारत और अमेरिका के सामने असीमित आसमान है' व्हाइट हाउस ने एक बयान में बताया कि भारत ने अर्टेमिस संधि पर हस्ताक्षर किए हैं जो समस्त मानवजाति के लाभ के लिए अंतरिक्ष अन्वेषण का साझा दृष्टिकोण उपलब्ध कराती है।

भारत शांतिपूर्ण, सतत और पारदर्शी सहयोग के लिए 26 अन्य देशों की फेहरिस्त में शामिल हो गया जिससे वह चंद्रमा, मंगल और अन्य ग्रहों का अन्वेषण कर सकेगा। व्हाइट हाउस में बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान के अनुसार, बाइडन और मोदी ने अंतरिक्ष सहयोग के सभी क्षेत्रों में नयी सीमाओं तक पहुंचने की रूपरेखा तय की। इसमें कहा गया है, 'नेताओं ने पृथ्वी तथा अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों में हमारे बढ़ते सहयोग की सराहना की।

उन्होंने 2023 के अंत तक मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान क्षेत्र में सहयोग के लिए एक रणनीतिक रूपरेखा विकसित करने के नासा और इसरो के फैसले का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने नासा की 2024 में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र में भारतीय अंतरिक्ष यात्री को भेजने के संयुक्त प्रयास के लिए टेक्सास के ह्यूस्टन में जॉनसन अंतरिक्ष केंद्र में भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को आधुनिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की घोषणा की भी प्रशंसा की। उन्होंने बेंगलुरु में इसरो के यू आर राव उपग्रह केंद्र को नासा–इसरो का सिंथेटिक एपर्चर रडार (निसार) उपग्रह देने की भी प्रशंसा की और भारत से 2024 में निसार के प्रक्षेपण को लेकर उत्साह जताया। बयान में कहा गया है कि नासा और इसरो इस साल के अंत तक मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान के लिए एक रणनीतिक फ्रेमवर्क भी तैयार कर रहे हैं।

देश की अखण्डता के लिए मुखर्जी ने दिया बलिदान: भूपेंद्र

लखनऊ(संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में बूथ स्तर पर जनसंघ के संस्थापक तथा देश की एकता, अखण्डता व अक्षुण्णता के लिए बलिदान देने वाले डा. श्यामा प्रसाद

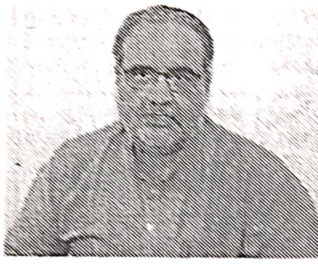

मुखर्जी के बलिदान दिवस पर कृतज्ञ श्रद्धा सुमन अर्पित किये। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने हरदोई में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर कार्यकर्ताओं तथा पदाधिकारियों के साथ पुष्पार्चन करके कृतज्ञ नमन किया। पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में एक देश–एक विधान के लिए प्राणोत्सर्ग करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को कृतज्ञ श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी के प्रदेश, क्षेत्र, जिला, मंडल, बूथ के पदाधिकारी व कार्यकर्ता, सांसद, विधायक समेत सभी जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय नागरिकों के साथ अपने बूथ पर डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पार्चन करके बलिदान दिवस पर राष्ट्र की एकता और अखण्डता का संकल्प लिया।पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश–एक विधान–एक प्रधान के संकल्प के साथ जम्मू–कश्मीर में लागू परमिट व्यवस्था का विरोध करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धारा 370 को जम्मू–कश्मीर से समाप्त किया और आज जम्मू–कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। यह सच्चे अर्थों में डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि है। पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को कृतज्ञ नमन करते हुए कहा कि मानवता के उपासक, राष्ट्रवादी विचारक, महान शिक्षाविद तथा भाजपा के एक–एक कार्यकर्ता के पथ प्रदर्शक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन सदैव हमारी प्रेरणा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि वैभवशाली राष्ट्र निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान ने भारत की एकता व अखण्डता के भाव को प्रत्येक भारतीय में प्रवाहित किया। उनके द्वारा प्रशस्त पथ पर हम सभी राष्ट्र सेवा का व्रत लेकर आगे बढ़ते रहेंगे।

जी 20 के दौरान बेस्ट सेल्फी और वीडियों प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

लखनऊ(संवाददाता)। जी 20 के दौरान बेस्ट सेल्फी और वीडियोप्रतियोगिता के विजेताओं को आज नगर आयुक्त ने पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार राज्य के नगरो को गुड टू ग्रेट बनाये जाने का प्रयास तथा नगरों को वैश्विक मापदंडो पर श्रेष्ठ बनाये जाने के संकल्प के क्रम में नगर निगम लखनऊ मेंजी20 का आयोजन एवं इस दौरान नगर मे जी20 कॉरिडेर का निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण किया गया था। स्वच्छ भारत मिशन एव नगर निगम लखनऊ मे जी20 के अंतर्गत किए गए सौन्दर्यीकरण की निरन्तरता बनाये रखने हेतु एवं गंदगी को रोकने के लिए विभिन्न प्रयास किए गए तथा जन जागरुकता अभियान चलाये गये थे। जी–20 समिट के आयोजन के दौरान बेस्ट सेल्फी एवं वीडियो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमेंप्रथम स्थान के 3 विजेता को 10,000, द्वितीय स्थान पर आये 5 विजेताओ को 5,000, तृतीय स्थान पर आये 10 विजेताओं को

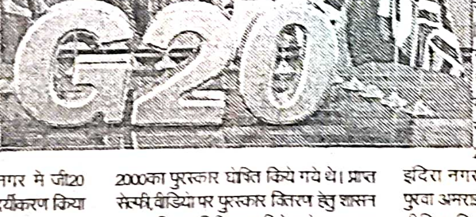

2000का पुरस्कार घोषित किये गये थे। प्राप्त सेल्फी,वीडियो पर पुरस्कार वितरण हेतु शासन द्वारा गठित समिति द्वारा विजेताओ का चयन किया गया। समिति द्वारा चयनित विजेताओ को आज नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह द्वारा चेक प्रदान स्वयं पुरस्कृत किया गया।

विजेताओं में प्रथम पुरस्कार 10,000 रूपये प्रत्येक विवेक गुप्ता, नि. बड़ा चाँदगंज, कपूरथला,सौरभ चन्द्रा, नि. मानस नगर कालोनी, जियामऊ, हजतरगंज और वर्ष आडवाणी, नि. सेक्टर–9, साई अपार्टमेंट, इंदिरा नगर को प्राप्त हुआ। द्वितीय पुरस्कार 5000 रूपये अंकित दीक्षित, नि. राजाजीपुरम, आशुतोष मिश्रा, सुलभ आवास योजना, सेक्टर–6 गोमती नगर, सुश्री विहा एलानी, नि. विवेक खंड, गोमती नगर, अब्दुल सबूर, चौधरी टोला, अलीगंज, राघवेन्द्र दीपक, नि. विवेक खण्ड, गोमती नगर और तृतीय पुरस्कार 2000 रूपये अभिषेक सिंह, नि. इंदिरा नगर, विशाल यादव, नि. रामदीन पुरवा अमराईगांव, इंदिरा नगर,सुश्री श्रेयाली दीक्षित, नि. आजाद नगर, कैम्पवेल रोड, बालागंज,हितांश पेपली, नि. ओमेक्स हाईट, विभूतिखंड, गोमती नगर, सुश्री कंचन मिश्रा, नि. स्वास्तिका सिटी, अहमामऊ, सुल्तानपुर रोड, प्रिंस मौर्य, नि. जियामऊ निकट कृष्णानगर, कैसरबाग तपन बनर्जी, नि. ओमेक्स रेसीडेन्सी, अहमामऊ और दो विजेताओं सेसम्पर्क नहीं हो सका।

बसपा सुप्रीमो बोलीं, बुलडोजर राजनीति स्कूल तोड़ते-तोड़ते दलितों के घर गिराने लगी

लखनऊ(संवाददाता)। सागर मे गरीब परिवारों के घर गिराए जाने पर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार की बुलडोजर राजनीति स्कूल के बाद अब गरीबो के घर तोड़ने लगी। शुक्रवार सुबह उन्होंने ट्वीट में

कहा, मध्यप्रदेश सरकार की विध्वंसकारी, द्वेषपूर्ण बुलडोजर राजनीति लोगो के घर और स्कूल तोड़ते–तोड़ते अब पीएम आवास योजना के अंतर्गत बने गरीबो के मकान भी तोड़ने लगी है, जो अति निंदनीय है। इसी क्रम में सागर जिले में पीएम योजना के तहत बने 7 दलित परिवारो के घरो का ध्वंस शर्मनाक। मामला सागर के रैपुरा का है। यहां वन विभाग ने दलित परिवारो के घरो को गिरा दिया। तर्क दिया– प्रधानमंत्री आवास वन विभाग की जमीन पर बने थे। गुरुवार को दिग्विजय सिंह पीड़ित परिवार से मुलाकात के लिए पहुंचे। उन्होंने कहा, ये सब मध्यप्रदेश सरकार मे राजस्व एव परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के इशारे पर हुआ है। पीड़ितो ने भी यही बात कही। रैपुरा गांव सुरखी विधानसभा में आता है। यहां से गोविंद सिंह विधायक हैं। 2020 में सिंधिया के साथ वह भी कांग्रेस छोड़ भाजपा मे शामिल हो गए थे। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने शुक्रवार को कहा, दिग्विजय सिंह राजनीतिक रोटियां सेकने का काम करते हैं। जिन लोगो के मकान टूटे हैं, उनको दूसरे मकान बनाकर देने का काम चल रहा है।

सम्पादकीय........

खतरे की घंटी

ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग का संकट गहरा रहा है और पर्यावरण अनुकूल विकास को वक्त की प्राथमिकता बताया जा रहा है, हिमाचल कैबिनेट का हालिया फैसला एक आत्मघाती कदम ही कहा जायेगा। शिमला के पारिस्थितिकीय तंत्र के लिये घातक साबित हो सकने वाले इस कदम के रूप में हिमाचल कैबिनेट ने शहर की 414 एकड़ में फैली हरित पट्टियों में निर्माण गतिविधियों का रास्ता खोल दिया। जिस पर दशकों तक पर्यावरणीय हितों के मद्देनजर नियामक संस्थाओं ने रोक लगा रखी थी। दरअसल, शीर्ष अदालत के एक फैसले के बाद मंगलवार को शिमला विकास योजना का मसौदा अधिसूचित कर दिया गया। हालांकि, शीर्ष अदालत के फैसले के अनुरूप अधिसूचना के एक माह तक दस्तावेजों को लागू न करने की बात कही गई है। इस मामले में अगली सुनवाई बारह जुलाई को होनी है। निस्संदेह, ये इलाके शिमला की जनता को प्राणवायु का संचरण करते हैं। दूसरे शब्दों मे इन्हें पहाडों की रानी कहे जाने वाले शिमला के फेफड़े कहा जा सकता है। पहले ही शिमला क्षमता से अधिक आबादी का बोझ झेल रहा है। बढ़ती आबादी के साथ ही लाखों पर्यटकों का दबाव अलग से है। पेयजल से लेकर पार्किंग जैसी तमाम समस्याएं सामने खडी हैं। निस्संदेह, ग्रीन बेल्ट पर निर्माण से शहर में कंक्रीट का एक ऐसा जंगल उग आएगा जो शहर का दम घोट सकता है। इसमें दो राय नहीं ग्रीन बेल्ट के बाबत इस फैसले से निर्माण गतिविधियो में अप्रत्याशित वृद्धि होगी। कहने को तो एक मंजिल तक निर्माण की अनुमति की बात कही जा रही है लेकिन कानून के छिद्रों को तलाशने वाले लोग निस्संदेह, इसका अतिक्रमण करेंगे। वहीं निहित स्वार्थों में लिप्त राजनीति इसके दूरगामी परिणामों को गभीरता से लेने की कोशिश कभी नहीं करती। यदि सत्ताधीश दूरगामी खतरों को समय रहते भांप लेते तो शिमला के भविष्य से खिलवाड़ नहीं करते। लेकिन सत्ताधीशों की प्राथमिकता तात्कालिक हित ही होते हैं। उनकी कोशिश वर्ग विशेष को संतुष्ट करने की होती है। उल्लेखनीय है कि शिमला के पर्यावरण की रक्षा के मद्देनजर वर्ष दो हजार में इन ग्रीन बेल्टों को नो–कंस्ट्रक्शन जोन घोषित किया गया था। दरअसल, विशेषज्ञों औरं पर्यावृरण प्रभावों के अध्ययन के निष्कर्षों का समर्थन करते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के फ़ैसले तथा हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने तब से इस पर लगाये गये प्रतिबंध को बरकरार रखा था। इसमें दो राय नहीं कि राज्य में रियल एस्टेट लॉबी की इस फैसले को बदलवाने में बड़ी भूमिका रही है। वहीं दूसरी ओर इन ग्रीन बेल्टों में मुख्य संपत्ति के मालिकों ने इस मुद्दे को लंबे समय तक कानूनी लड़ाई में उलझाये रखा था। अफसोस की बात है कि एक के बाद एक आने वाली सरकारों का झुकाव रियल एस्टेट मालिकों की तरफ होता चला गया। निस्संदेह, रियल एस्टेट लॉबी की प्राथमिकता अपना आर्थिक हित ही होता है। उनकी प्राथमिकता शहर के अस्तित्व की परवाह करना कदापि नहीं हो सकता। दूसरा पहलू यह भी है कि भूमि मालिकों की मंशा भी इस कीमती जमीन से आर्थिक लाभ कमाना ही होगा। इस समस्या का एक सरल समाधान यह भी हो सकता था कि सरकार ग्रीन बेल्ट की जमीन को खरीद ले। सरकार यदि ईमानदार कोशिश करे तो इस समस्या का कारगर समाधान निकाल पाना संभव हो पायेगा। सरकार की किसी रचनात्मक पहल से ग्रीन बेल्ट का संरक्षण संभव है। जिससे आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को संरक्षित किया जा सकता है। निःसंदेह, आबादी के बोझ से दरकते देश के अन्य पहाड़ी शहरों की बदहाली से सत्ताधीशों को सबक लेना चाहिए। उत्तराखंड में जोशीमठ शहर के दरकने का ताजा उदाहरण हमारे सामने है। ग्लोबल वार्मिंग के दौर में पूरे देश के पर्यावरण की रक्षा के लिये हमारी वन संपदा व ग्रीन बेल्ट जैसे इलाकों का संरक्षण अपरिहार्य ही हैं। निस्संदेह, हरित पट्टी के बचाव की किसी अभिनव पहल से ही शिमला का पहाड़ों की रानी का प्रतिष्ठित दर्जा कायम रह सकेगा। हिमाचल सरकार को इस शहर के भविष्य के लिये अभिनव पहल करनी ही होगी।

जलशक्ति मंत्री व सांसद ने केन्द्र की भाजपा सरकार की गिनाई उपब्धियां

कौशाम्बी(संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार को 9 साल पूरे हो गए हैं, इन 9 सालों मे सरकार द्वारा किए गए विकास पर जिले की जनता से सीधा संवाद करने के लिए भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा नवीन कौशाम्बी पहुंचे,जहा मंडी समिति ओसा मे आयोजित कार्यक्रम मे सभी अतिथियों का भाजपाइयों ने भव्य स्वागत किया। पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा ने सपा बसपा और कांग्रेस को आडे हाथों लेते हुए कहा कि सावरकर के बारे मे तो पूरे देश मे हर प्रदेश के लोगो को पढ़ाना चाहिए। पहले उत्तर प्रदेश में भी पढ़ाया जाता था। सपा सरकार के समय मे ये प्रचनल बन्द हुआ था,फिर योगी जी के आने के बाद इसको शुरू किया गया था, उन्होंने राहुल के बयान भारत तोड़ो के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भारत तेरे टुकड़े होंगे का नारा लगाने वालों के साथ चल के और मुस्लिम अजलम के असम सम्प्रदायिक पार्टी से सम्बंध स्थापित कर के और बहुसंख्यक वर्ग को अपमानित कर के कोई कहे कि हम भारत ज़ोड़ देंगे तो यह गलत है,भारत की सनातन संस्कृति यहाँ की आत्मा है और उस आत्मा पर चोट पहुचाने वाले लोग दिवा शब्द भूल जाएंगे। बिहार के एकजुटता के सवाल पर कहा कि ये आपस मे एक दूसरे के शत्रु है। आज पूरे देश मे मोदी जी की लोकप्रियता की बाढ़ आई है। आज मोदी जी न आये ऐसा सम्भव नही है,कहा आज ये मोदी जी न आये इसके लिए ये लोग कोशिश कर रहे है,ऐसा सम्भव नही है,लेकिन इनसे अगर पूछो की आप अगर मोदी जी न हुए तो आप मे कौन होगा। वही स्थिति आएगी की पहले नीतीश दौड़ेंगे तेजस्वी

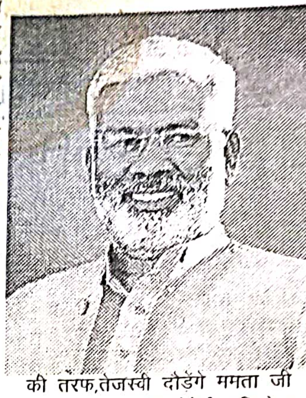

की तरफ,तेजस्वी दौड़ेंगे ममता जी की तरफ,ममता जी दौडेगी अखिलेश की तरफ और अखिलेश दौड़ाएंगे राहुल जी को। ये आपस में ही लड़ेंगे और लड़ने के लिए सत्ता लोभी लोग एक साथ बैठे है एक भ्रष्टाचारी जो बचे है इसमें सब हाथ मिलाएंगे लेकिन दिल नही मिल सकता। उन्होंने कहा कि सपा कुछ दिन बाद बीता हुआ कल साबित होने वाली है,कॉग्रेस 100 साल पुरानी एक जर्जर इमारत है जो मोदी के बाढ़ तूफान में उत्तर प्रदेश की लोकसभा की बीजेपी 80 सीट जितने के बाद ये जो राजनीति ऐतिहासिक इमारत है धराशाई हो जाएगी और सपा अपने अस्तित्व के लिए लड़ते हुए दिखाई पड़ेगी और बसपा तो पहले ही अपना अस्तित्व खो चुकी है। जलशक्ति मत्री स्वतन्त्र देव सिंह ने जनसभा को सम्बोधित करते हुए डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्य तिथि पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि नेहरु व शेख अब्दुल्ला कश्मीर में परमिट और वीजा सिस्टम लागू करना चाहते थे, लेकिन श्यामा प्रसाद मुखर्जी नहीं माने, उन्होंने आन्दोलन किया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के मित्रों ने समझाया कि आन्दोलन मत करिये, लेकिन श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने वीजा व परमिट के खिलाफ आन्दोलन किया, अगर वे आन्दोलन न करते तो आज माँ वैष्णो देवी एवं बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए वीजा व परमिट लेना पड़ता। डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी 23 जून 1953 को श्रीनगर की जेल में शहादत को प्राप्त हुए। पं० दीनदयाल उपाध्याय भी इसी तरह कार्य करते हुए आगे बढ़ते है, मुगलसराय स्टेशन पर पं० दीनदयाल उपाध्याय की हत्या कर दी जाती है। अटल बिहारी वाजपेई भी इसी तरह कार्य करते हुए आगे बढ़ते है। सांसद विनोद सोनकर जी ने जनसभा को सम्बोधित करते हए मंत्री जलशक्ति स्वतन्त्र देव सिंह एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ० दिनेश शर्मा का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए कहा कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ऐसा कोई घर नहीं बचा है, जहॉ प्रधानमंत्री मोदी नहीं पहुंचे हैं। कोरोना संकट काल में 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन दिया गया। 9.5 करोड से ज्यादा लोगें को उज्ज्वला योजना का कनेक्शन, 11 करोड से अधिक लोगों का आयुष्मान योजना के तहत गोल्डेन कार्ड बनाया जा चुका है, 4 करोड़ से अधिक लोगोंको प्रधानमंत्री आवास दिये गये है। कौशाम्बी में चारो तरफ विकास की गंगा बह रहीं है,।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान हुए एम.ओ.यू. का धारातल पर क्रियान्वयन कराया जाए : अविनाश कृष्ण सिंह

मैनपुरी(जिला संवाददाता)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान जो एम.ओ.यू. हुए हैं, उनको संबंधित विभाग के अधिकारी एम.ओ.यू. करने वाले उद्यमियों से समन्वय स्थापित कर धरातल पर उद्योगों का क्रियान्वयन कराएं, नियमित रूप से एम.ओ.यू. करने वाले उद्यमियों के साथ बैठक की जाये, जहां भी उद्यमियों को कोई समस्या हो तत्काल निदान कराया जाए, जिन एम.ओ.यू. पर कार्य प्रारंभ हो चुका है उसको तत्काल पूर्ण कर क्रियाशील कराया जाए ताकि उद्योग स्थापना के साथ–साथ जनपद के नौजवानों को रोजगार के अवसर मुहैया हो सके, एम.ओ.यू. करने वाले ऐसे उद्यमियों जिनके द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है, उन्हें पत्राचार कर तत्काल एम.ओ.यू. पर कार्य प्रारंभ करने के लिए प्रेरित किया जाए, मुख्य विकास अधिकारी अपने स्तर से इसकी साप्ताहिक रूप से समीक्षा कर प्रगति सुधारें, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना, एक जनपद–एक उत्पाद योजना में बैंकर्स प्राथमिकता पर प्रेषित पत्रावलियों पर ऋण वितरण करें ताकि बेरोजगार नवयुवक अपना स्वःरोजगार स्थापित कर स्वावलंबी बने और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो।

उक्त निर्देश जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान हुए एम.ओ.यू. पर विभाग वार चर्चा करते हुए जिला उद्यान अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, प्रधानाचार्य तकनीकी शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, महाप्रबंधक दुग्ध को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने–अपने विभाग से संबंधित एम.ओ.यू. का धरातल पर क्रियान्वयन कराएं, नियमित रूप से संबंधित उद्यमियों से संवाद कर प्रगति सुधारें, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान जो भी एम.ओ.यू. हुए हैं सभी धरातल पर दिखाई दें ताकि जनपद उद्योगों का हब बने और यहां की बेरोजगार नौजवानों को उनके घर में ही रोजगार के अवसर मुहैया हो सके। उन्होने उपायुक्त उद्योग को आदेशित करते हुए कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर संचालन का प्रकरण लंबे समय से लंबित है, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका से समन्वय स्थापित कर ट्रांसपोर्ट नगर के आवंटन की पत्रावली प्राप्त कर अध्ययन करने के पश्चात अगली बैठक में प्रकरण पर चर्चा कर निस्तारित किया जाए, आवंटन, अग्रिम कार्यवाही के लिए 04 सदस्यीय टीम गठित की जाए जिसमें उपायुक्त उद्योग, एआरटीओ, क्षेत्राधिकारी नगर, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय को नामित किया जाए। उनके द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की समीक्षा करने पर उपायुक्त उद्योग ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में भौतिक लक्ष्य 96 के सापेक्ष विभिन्न बैंकों को 84 ऋण आवेदन प्रेषित किये जा चुके हैं, जिसके सापेक्ष बैंकों द्वारा 18 आवेदन पत्रों को स्वीकृत कर 03 पर ऋण वितरण किया जा चुका है, मुख्यमंत्री युवा स्वःरोजगार योजना में वार्षिक लक्ष्य 86 के सापेक्ष 24 पत्रावलियां प्रेषित की गयीं, जिनमें से 05 को स्वीकृत कर 02 पर ऋण वितरण किया जा चुका है, एक जनपद–एक उत्पाद योजना में वार्षिक लक्ष्य 30 के सापेक्ष 29 ऑनलाइन आवेदन बैंकों को प्रेषित किये जा चुके हैं, जिसमें से 03 आवेदन पत्रों पर ऋण वितरण किया जा चुका है, एकल मेज व्यवस्था में अब तक ऑनलाइन 2183 शिकायतें प्राप्त हुयीं, जिसमें से शत–प्रतिशत का निराकरण किया जा चुका है।

मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार ने समीक्षा के दौरान कहा कि जिन उद्यमियों द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान उद्योगों की स्थापना हेतु एम.ओ.यू. किये हैं, उनको उद्योग स्थापना सम्बन्धी सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करने के लिए सम्बन्धित विभाग के अधिकारी सहयोग करें, जिन उद्यमियों को कोई आवश्यकता हो तो उसे निवेश सारथी पोर्टल पर सम्बन्धित विभाग के अधिकारी अपलोड करायें। उन्होने एम.ओ.यू. पर उद्यान विभाग की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया वहीं दूग्ध विभाग के अधिकारी को हिदायत देते हुये कहा कि 17 एम.ओ.यू. में से अभी 01 पर भी प्रगति नहीं है तत्काल एम.ओ.यू. करने वाले उद्यमियों से वार्ता कर प्रगति सुधारें।

परिवार की खुशहाली के लिए अपना रहे अस्थाई साधन

लखनऊ(संवाददाता)। खुशहाल परिवार के लिए परिवार नियोजन के प्रति लोगों का रूझान बढ़ रहा है। माह की 21 तारीख को स्वास्थ्य केंद्रो पर आयोजित होने वाले खुशहाल परिवार दिवस कार्यक्रम के जरिए लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। जिसका परिणाम है कि दंपत्ति का अस्थाई साधन के प्रति रुझना काफी तेजी से बढ़ा है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में अप्रैल से जून माह तक 11956 अलग–अलग साधन का लोग इस्तेमाल कर रहे हैं।शोहरतगढ़ सीएचसी पर तैनात महिला रोग विशेषज्ञ डं. एसके भारती बताते हैं कि खुशहाल परिवार दिवस.कार्यक्रम के जरिए लोगों को प्रेरेत किया जा रहा है। जिसमें लोगों को बताया जा रहा है कि परिवार की खुशहाली के लिए बच्चे दो ही अच्छे हैं। परिवार नियोजन के साधन का इस्तेमाल परिवार के विकास में सहायक है। लाभार्थियों को बताते हैं कि परिवार नियोजन की स्थाई व अस्थाई दोनों विधि हैं। इसका सभी लोग लाभ ले सकते है। शोहरतगढ़ क्षेत्र के रमवापुर गांव की लाभार्थी कुसुम (28) बताती है कि उनके पास एक बेटा है। दो बच्चों के बीच कम से कम तीन साल का अंतर रखने के लिए वह परिवार नियोजन के अस्थाई साधन त्रैमासिक अंतरा का लाभ ले रही हैं। यह अनचाहा गर्भ को रोकने में काफी सहायक साबित हो रहा है।

योगी बोले 'यूपी फॉर यूपी, यूपी फॉर इंडिया, यूपी फॉर ग्लोबल के विजन के तहत हो रहा काम'

1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था का सपना होगा साकार

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लिए यूपी फॉर यूपी, यूपी फॉर इंडिया, यूपी फॉर ग्लोबल की परिकल्पना की है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि अब समय उत्तर प्रदेश का है। अपने पोटेंशियल का पूरा लाभ उठाते हुए उत्तर प्रदेश देश के बहुआयामी विकास का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनेगा। यूपी के पोटेंशियल के अनुरूप सेक्टरवार अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीति तय करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बडे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वर्ष 05 वर्ष की समय–सीमा निर्धारित की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि वर्ष 2027 तक उत्तर प्रदेश को +1ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के साथ सबका साथ–सबका विकास की नीति का मानक बनेगा। शुक्रवार को प्रदेश के आय–व्यय और वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी से संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री ने गहन समीक्षा की और दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थ व्यवस्था बनाना हमारा मिशन है। अधिकारी इसके लिए कोर सेक्टर्स पर फोकस करें, इनमें कृषि, धार्मिक पर्यटन, विनिर्माण और आईटी एंड आईटीईएस हमारे कोर सेक्टर्स है। इसके अलावा एनर्जी, हेल्थ, शहरी विकास, शिक्षा, फूड प्रसंसिंग, एमएसएमई आदि सेक्टर्स पर भी हमे विशेष फोकस करने की आवश्यकता है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रदेश के बडे महानगरों को अलग–अलग सेक्टर्स के हब के रूप मे डेवलप करने की योजना है। इसी क्रम मे लखनऊ को देश का पहला एआई सिटी बनाने की तैयारी है। साथ ही प्रदेश को ग्रीन एनर्जी का हब बनाने को लेकर भी मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ विचार–विमर्श किया। योगी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लिए तेजी से आगे बढ़ना होगा। व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए ज्यादा से ज्यादा टेक्नोलॉजी का उपयोग करना होगा। किसी भी प्रकार की पेंडेंसी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यूपी के पास एमएसएमई का 96 लाख यूनिट्स का बेस है। वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने के लिए इसे लेकर बडे स्तर पर योजना बनाने की आवश्यकता है। इस दौरान निर्माण सेक्टर की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश मे 54 लाख आवास गरीबों के लिए निर्माण कराए गए है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जन्म मृत्यु रजिस्ट्रेशन की तर्ज पर ही हर प्रकार के निर्माण कार्यों का रजिस्ट्रेशन जरूर कराएं। इसके लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग करें। शहर और गांवों में होने वाले हर निर्माण कार्य का डेटा हमारे पास होना चाहिए। इस व्यवस्था के साथ पंजीकृत होने वाले निर्माण कार्यो की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त करें। रजिस्टर्ड निर्माण कार्यों के दौरान या बाद में अगर कोई दुर्घटना होती है तो उसके लिए बीमा की व्यवस्था करें। इंफ्रास्ट्रक्चर से जुडे प्रत्येक निर्माण का रजिस्ट्रेशन होना चाहिए, इससे पारदर्शिता बढ़ेगी। साथ ही ये ध्यान रखा जाए कोई भी निर्माण कार्य बंजर और अनुपजाऊ भूमि पर ही होना चाहिए। निर्माण कार्य कृषि योग्य भूमि पर न होने पाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप यूपी पहला ऐसा राज्य है जहां जिलों की जीडीपी को जारी करने का कार्य हुआ। कोविड काल में ये काम जरूर रुका, जिसे पुनः शुरू कराया जाए। पूरे जिले के विभिन्न संसाधनों से होने वाले आय–व्यय के डेटा के साथ जिलों के जीडीपी को प्रकाशित कराएं। ये डेटा विभिन्न विश्वविद्यालय को भी स्टडी के लिए भेजा जाए। योगी ने कहा कि प्रत्येक विभाग आय जनरेट करने के लिए अपने संसाधनों का पूरा–पूरा उपयोग करें। व्यापारियों को ट्रांसपैरेंट व्यवस्था देते हुए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग में और अधिक सुधार के प्रयास होने चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यवस्था को इतना पारदर्शी बनाएं जिससे प्रदेश मे व्यापार कर रहे और व्यापार करने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यापारी या उद्यमी के मन मे किसी प्रकार का कोई भय न रहे। मुख्यमंत्री ने बताया की तमाम कानूनी बंदिशों को हटाकर ओडीओपी को सशक्त किया गया है। जो काम आजादी के बाद होनां चाहिए वो काम 2017 के बाद शुरू हुआ। आज प्रदेश में पर्यटन उद्योग से लाखों लोग जुडे हुए हैं। इस सेक्टर में 24 प्रतिशत से ज्यादा का ग्रोथ हुआ है। प्रदेश का कोई ऐसा पर्यटन स्थल नहीं है, जहाँ एक भी होटल, गेस्ट हाउस खाली हो। प्रदेश में आने वाले पर्यटकों का सटीक आंकलन करें इसके लिए पूरे मैकेनिज्म को तैयार करें। जरूरत हो तो एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें। सितंबर में ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने जा रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो को लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तर्ज पर ही ट्रेड शो का आयोजन बडे स्तर पर होना चाहिए। इसमे सम्मिलित होने वाले बायर्स और ट्रेडर्स को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हो इसके लिए तैयारियों को मुकम्मल कर लें। यूपी पूरे देश को सबसे अधिक शिक्षक प्रदान करने वाला राज्य रहा है। विद्यालय खोलना हमारे यहाँ पवित्र कार्य माना जाता रहा है। महामना मदन मोहन मालवीय, बाबा राघवदास, महंत दिग्विजयनाथ जैसे महापुरुषों ने शिक्षा को पवित्र कार्य मानते हुए बड़े बड़े शिक्षण संस्थानों का निर्माण कराया। प्रदेश को शिक्षा के हब के रूप में स्थापित करना होगा।

भोपाल में लगे कमलनाथ के आपत्तिजनक पोस्टर

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की सडकों के किनारे कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के खिलाफ पोस्टर लगे हैं। इन पोस्टरों

में कमलनाथ को वांटेड बताया गया है। उन्हें करप्शन नाथ कहने के साथ बारकोड भी है। इन पोस्टरों पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं और कार्रवाई की मांग की है। राजधानी के कई इलाकों की दीवार और बिजली के खंभों पर ऐसे पोस्टर लगे हैं जिसमें कमलनाथ को वांटेड बताया गया है और उनकी सरकार के 15 माह के शासनकाल में हुए घोटालों का भी जिक्र किया गया है। कई पोस्टरों पर तो बारकोड भी है और कमलनाथ को करप्शन नाथ करार दिया गया है। राजधानी के कई स्थानों पर लगे इन पोस्टरों में किसान कर्ज माफी घोटाला, हेलीकॉप्टर घोटाला, गेहूं बोनस घोटाला, खाद घोटाला, सीडी घोटाला, मोबाइल घोटाला आदि का भी जिक्र किया गया है। यह पोस्टर किसने लगाए है, इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है।

इन पोस्टरों को लेकर कांग्रेस ने भाजपा और प्रदेश सरकार पर बड़ा हमला बोला है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने ट्वीट कर कहा, भाजपा द्वारा कमल नाथ के आपत्तिजनक पोस्टर लगाना बता रहा है कि भाजपा में घबराहट है, सत्ता जाते हुए दिख रही है तो बौखलाहट में आपत्तिजनक पोस्टर लगवा रहे हैं। मैं मुख्यमंत्री से मांग करता हूं कि पोस्टर लगाने वालों को तत्काल गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही करें। वहीं भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि यह पोस्टर किसने लगाए यह तो कमलनाथ ही बता सकते हैं, मगर किसी पर इस तरह का टैग लगाना, इस तरह का अर्थ है कि आप करप्ट नाथ थे, आपने मध्य प्रदेश को भ्रष्टाचार में डुबोया था, उसका परिणाम है कि जनता इस रुप में उसका प्रकटीकरण कर रही है।

परिवार की तरह लड़ेंगे, विपक्षी दलों की बैठक में शामिल हुई ममता बनर्जी बोलीं

पटना। विपक्षी दलों के शीर्ष नेता

2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा विरोधी मोर्चे के गठन की रूपरेखा तैयार करने के लिए शुक्रवार को पटना में बैठक की। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 23 जून को बुलाई गई विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होने के लिए पटना पहुंची तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में वे एक परिवार की तरह लड़ेंगे। कुमार पिछले साल अगस्त में भाजपा से नाता तोड़ने के बाद अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को परास्त करने के लिए विपक्षी दलों को एकजुट करने की मुहिम में लगे हुए हैं। इस बैठक में छह मुख्यमंत्रियों समेत 15 दलों के नेता शामिल हुए। इस बैठक में शामिल होने के लिए पटना आने वाले विपक्षी नेताओं की मेजबानी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तथा राजद नेता तेजस्वी यादव द्वारा यहां मुख्यमंत्री के एक अणे मार्ग आवास पर की गई। गुरुवार पहुंची पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनर्जी ने यहां राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू यादव, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात की। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पश्चिम बंगाल की अपनी समकक्ष ममता बनर्जी से मुलाकात करने यहां सर्किट हाउस पहुंचे। एक वरिष्ठ विपक्षी नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, यह सिर्फ शुरुआत है। रणनीति, नेतृत्व प्रश्न और सीट–बंटवारे पर इस स्तर पर चर्चा होने की संभावना नहीं है।

विपक्ष के साथ जाना चाहता हूं, बसपा के बिना यूपी में गठबंधन कैसे होगा संभव : ओपी राजभर

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी की सियासत में अहम भूमिका निभाने वाले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने विपक्ष की एकता पर सवाल उठाए है। ओपी राजभर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी से किनारा कर सकते है। वह जल्द ही विपक्ष वाले तीसरे मोर्चे में शामिल हो सकते हैं। इस बात का संकेत खुद ओपी राजभर ने दिया। फिलहाल ओपी राजभर ने विपक्ष को एकता पर कई सवाल उठाए है। ओपी राजभर ने कई सवाल जबाव देते हुए यूपी की सियासत में हल्ला मचा दिया है। ओमप्रकाश राजभर ने बीजेपी और गठबंधन मे एक को चुनने के सवाल पर कहा कि वह गठबंधन को चुनेंगे। राजभर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सियासत को लेकर या गठबंधन को लेकर उनकी भाजपा से कोई बात नहीं हुई है। उनके दरवाजे किसी भी गठबंधन और दल के लिए खुले हुए हैं। ओपी राजभर ने कहा अगर नीतीश कुमार, मायावती, जयंत चौधरी, अखिलेश यादव, राहुल गांधी यानी कांग्रेस एक मंच पर आते है, तो

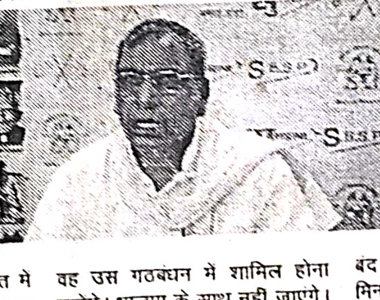

वह उस गठबंधन में शामिल होना चाहेंगे। भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। वहीं, सपा गठबंधन को लेकर राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव का गठबंधन किसी के साथ नहीं चला है। चाहे वो कांग्रेस हो, बसपा हो, सुभासपा हो या महान दल। इसे लेकर अखिलेश यादव को सोचना होगा। सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि वह राष्ट्रीय लोक दल जयंत चौधरी के संपर्क में हैं। जयंत चौधरी इसीलिए छटपटा रहे हैं क्योंकि वह जानते है कि कांग्रेस और बसपा के बगैर उनके गठबंधन का कुछ नहीं हो सकता है। सत्ता मे रहने वाली कोई भी पार्टी चाहे वो बीजेपी हो या अन्य दल, वह कभी गरीबों या सामाजिक न्याय समिति को लेकर सही फैसले नहीं करता है। यह मुद्दा मैं हमेशा उठाता रहूंगा। गठबंधन में जाऊंगा तब भी अपनी बात रखूंगा। ओमप्रकाश राजभर और सीएम योगी के बीच वाराणसी के सर्किट हाउस के बंद कमरे में मुलाकात हुई थी. 25 मिनट तक चली इस मुलाकात के बाद दोनों पार्टियो के बीच गठबंधन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। सुभासपा के मुख्य प्रवक्ता व ओपी राजभर के बेटे अरुण राजभर ने लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा से गठबंधन के संकेत दिये थे। ऐसे में माना जा रहा था कि गठबंधन का औपचारिक ऐलान हो सकता है।

GE 414 engine deal is about growing India-US ties, not China: Indian official

While China has undermined regional security by supplying weapons to Pakistan, it is projecting as if Beijing was the target of India-US defence cooperation.

The South Block has dismissed Chinese concerns over the GE-HAL F-414 jet engine agreement by saying the deal was a progressive evolution of India-US defence cooperation over the past two decades and had little to do with Beijing or regional security.

India and the US have embraced each other as there is global convergence between the two natural allies.

India and the US have embraced each other as there is global convergence between the two natural allies.

According to a senior official, India made economic corrections with the US in the 1990s and has made a defence correction now after engaging bilaterally and dealing with complicated technology transfer issues for the past two decades. "The growing India-US ties have nothing to do with China, but Beijing is trying to project as if the ties between the two largest democracies are all calculated to target India's northern neighbor," said a former foreign secretary.

Fact is that the Narendra Modi government is in a Biden positive mode with the US President going out of his way to accommodate the Indian leader during the bilateral visit last week and giving the green signal to converge with New Delhi on key issues like trade, terror, technology apart from military ties.

On Obama's Muslims in India remark] Rajnath says] 'All people are one family'

Barack Obama had spoken about the protection of the rights of the ethnic minorities in India] this at a time when PM Modi was on a State visit to the US-

family members--- He should also think about himself as to how many Muslim countries he has attacked@] the minister said at an event in Jammu-

Defence minister Rajnath Singh on Monday retorted to former US President Barack Obama's remark on Muslims in India-

ÞObama ji should not forget that India is the only country which considers all the people living in the world as

Singh's remarks come a day after finance minister NirmalaSitharaman had hit back at Obama- Addressing a presser on Sunday] she said siÛ Muslim&dominated countries were bombed by the US when Obama was its president-

What's happening in India'] PM Modi asks BJP chief Nadda after returning from foreign visit

^What's happening in India'] PM Modi asks BJP chief Nadda after returning from foreign visit

After returning to India from his foreign visit] Prime Minister NarendraModi asked BJP president J P Nadda and other leaders what was happening in India] party leaders] who had gone to receive him at the airport here] said-

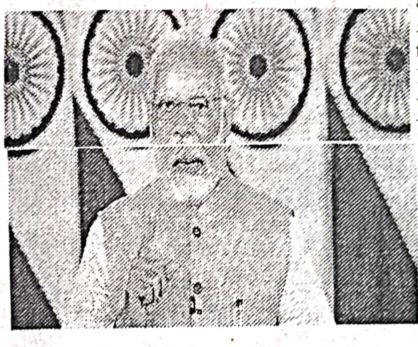

Modi returned to India in the early hours of Monday after his ‹Û&day visit to the US and Egypt during which several landmark agreements were signed-

He was received at the Delhi airport by Union Minister of State for EÛternal Affairs MeenakashiLekhi and BJP chief Nadda- BJP leaders and party MPs from Delhi such as Harsh Vardhan] Hans Raj Hans and GautamGambhir were also present-

"He asked Naddaji how it is going here] and Naddaji told him that party leaders were reaching out to people with the report card of the nine years of his government] and the country is happy]" BJP MP Manoj Tiwari told reporters when asked what the prime minister asked them after meeting them at the airport-

Speaking to reporters] BJP MP ParveshVerma said the prime minister asked what was happening in the country and how was the party's public outreach programme going on-

Ganga flowing near warning mark in Haridwar; rafting closed in Rishikesh

According to the Bhimgoda Barrage River water level data] Ganga was flowing at 291-80metres on Monday morning] which is just 1-20m less than the warning level ¼293 m½

The Ganga river is flowing less than two metres from the warning level mark in Haridwar due to which rafting operations have been shut down] officials said-

The development comes two days after the arrival of southwest monsoons and heavy downpour-

All the flood control check posts] barrages and disaster management teams are on alert] with district officials keeping a tab on the situation round the clock-

As a precautionary measure owing to the inundated Ganga river] operating or rafting has been closed till further directives in the Ganga stretch falling in Pauri] Tehri and Dehradun districts near Rishikesh-

Mahoba to become first UP district with 100 pc piped water connections: CM Adityanath

Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath Monday said Mahoba in Bundelkhand region will soon become the state's first district to get piped drinking water in all its households-

The Chief Minister made the observations while chairing a high&level meeting to review the progress of the JalJeevan Mission and NamamiGange project-

"Providing pure drinking water in the dry Bundelkhand and Vindhya regions was a dream that is coming true- Now Mahoba is going to be the first district of the state to have tap water supply in every household]" Adityanath said at the meeting-

According to a statement issued here] the CM also directed the officials to achieve the government's target of installing tap water connections to every house in Jhansi] Lalitpur] Hamirpur] Jalaun] Banda] Chitrakoot] Mirzapur] Sonbhadra and the entire Vindhya&Bundelkhand region in the neÛt two months-

Before the start of the JalJeevan Mission] only 5-16 lakh families had access to piped drinking water- The figure has now crossed 1-3 crore] with 59-38 lakh connections in the financial year 2022&23 alone] the government said-

"The monthly tap water installations in the state rose from 22]714 in April] 2022 to 12-96 lakh connections in May 2023- Currently] 43]000 taps are being installed every day] which needs to be increased to 50]000 daily]" the statement quoted Adityanath as saying-

"To meet the targets] the manpower should be increased and trained plumbers should be posted in every village without delay]" the CM added-

Another agenda that was discussed in the meeting is the silt issue in Bundelkhand- The chief minister asked officials of the Irrigation and Water Resources Department to regularly de&silt the reservoirs in the region-

With a total of 1]027 km river stretch of Ganga flowing through the state] Uttar Pradesh has 27 Ganga Janpads and 37 Ganga Towns-

"Additional financial assistance is being provided by the Centre under the JalJeevan Mission to improve water quality in affected areas due to the high presence of arsenic] fluoride] salinity] nitrate and iron in the water- Work in these areas needs to be eÛpedited]" the CM said-

He also commended the good results achieved through the 'Aviral&NirmalMaa Ganga' campaign under the NamamiGange project-

Citing the reduced river pollution on the 550&km stretch from Kannauj to Varanasi] the CM asked officials to now pay special attention to the river stretches in Farrukhabad to Prayagraj and Mirzapur to Ghazipur-

members of marriage party killed in bus accident in Odisha

DESCRIPTION &Twelve members of a marriage party were killed and seven others injured as two buses collided head&on in Odisha's Ganjam district] police said on Monday-

Prime Minister NarendraModi and Odisha Chief Minister Naveen Patnaik eÛpressed grief over the death of people in the accident and announced eÛ gratia to the neÛt of kin of each deceased-

They wished for the speedy recovery of those injured in the accident-

ÞPained by the bus accident in Ganjam district] Odisha- Condolences to those who lost their loved ones- May the injured recover soon- An eÛ&gratia of Rs 2 lakh from PMNRF would be given to the neÛt of kin of each deceased- The injured would be given Rs 50]000]ß the Prime Minister's Office tweeted-

Patnaik also announced eÛ gratia of Rs 3 lakh to the neÛt of kin of each deceased and free treatment of injured persons-

He also asked state Finance Minister B K Arukha to rush to the accident site-

The accident occurred late Sunday night near Digapahandi area on Berhampur&Taptapani road] around 35 km from here] when the bus with the wedding party members on board collided with another passenger vehicle] Berhampur Superintendent of Police SaravanaVivek M said-

After attending a wedding ceremony at Berhampur] they were returning to Khandadeuli near Digapahandi when the accident took place-

A team of police personnel rushed to the spot and rescued the injured persons and shifted them to hospitals] the SP said-

ÞSeven members of a family and their relatives were among the 12 deceased]" another police officer said-

The injured persons are undergoing treatment at MKCG Medical College and Hospital here and Digapahandi Hospital] he said- ÞTwo of them have been shifted to SCB Medical College and Hospital in Cuttack]ß the officer said-

Meanwhile] the special relief commission has sanctioned Rs 30] 000 to each of the injured persons for their treatment-

Navjot Sidhu's son Karan to marry Inayat Randhawa. See pics

Navjot Singh Sindu shared photographs from an intimate ceremony at the banks of the river Ganga where Karan and Inayat exchanged 'promise bands'. Rabia Sidhu, son, Karan Sidhu, and Inayat Randhawa. "The son honours the most cherished desire of his beloved mother .... On this auspicious

Congress leader Navjot Singh Sidhu introduced her would-be daughter-in-law by sharing a family photograph captured on Monday on the occasion of Durga-Ashtami. The former Punjab Pradesh Congress Committee president said that his son honoured the most cherished desire of his mother by exchanging 'promise bands' with her fiance on the banks of the Ganga river. In one of the photographs posted on his Twitter handle, Sidhu can be seen posing with his wife Navjot Kaur, daughter, Durga-Ashtami day in the lap of mother Ganges , a new beginning , introducing our would be daughter in law Inayat Randhawa . They exchanged promise bands," Sidhu said in a tweet.Twitter users congratulated Sidhus for their newest addition to the family. "Congratulations Sir. Wishing you more good luck and power and abundance of good health for your entire family," a user commented. Another user wrote, "Heartiest congratulations to the new couple and Sidhu Family. God bless the new couple."

Adipurush box office collection day 11: Prabhas' film earns just ?1.75 crore on second Monday

Adipurush box office day 11 collection: Directed by Om Raut, the film released on June 16. It is an adaptation of the epic Ramayana.

Adipurush box office collection: Om Raut's film has faced another blow as it minted only ?1.75 crore nett (in early estimate) at the domestic box office on the second Monday of its release. The total collection of the film so far, since its release on June 16, stands at a little over ?277 crore. Directed by Om Raut, Adipurush is an adaptation of the epic Ramayana. (Also Read | Sankat Mochan Mahabali Hanumaan actor Arun Mandola slams Adipurush, calls it 'nonsense')

The film stars Prabhas as Raghava (Lord Ram), Kriti Sanon as Janaki (Goddess Sita), Sunny Singh as Shesh (Laxman), and Saif Ali Khan as Lankesh (Ravana). Adipurush has drawn heavy criticism post its release. From critics to reviewers, many voiced disappointment over certain dialogues in the film. In the face of outrage and negative reviews, the team of Adipurush revamped the dialogues.

What Adipurush earned on second Monday of its release?

As per a Sacnik.com report, Adipurush earned ?1.75 crore nett in India for all languages as per early estimates. The film has earned ? ?277.50 crore in India till now.

Taking to Twitter on Monday, T-Series shared a post on the worldwide collection of Adipurush till Sunday. It shared a poster which read, "Worldwide ten day box office gross ?450 crore, global box office.

" It captioned the post,

It was like a rollercoaster': Titan sub victim Shahzada Dawood's wife was on board a support vessel during search

It was like a rollercoaster': Titan sub victim Shahzada Dawood's wife was on board a support vessel during search

Christine Dawood had "loads of hope" during the massive search for the submersible, and said it was the "only thing that got us through it"

Christine Dawood, the wife of Pakistani businessman Shahzada Dawood and mother of their child Suleman, was on board a support vessel when she learned that the Titan submersible was missing. Shahzada and Suleman died after the submersible was destroyed due to a catastrophic implosion – along with OceanGate CEO Stockton Rush, British billionaire Hamish Harding, and French diver Paul Henry Nargeolet.

Christine Dawood, the wife of Pakistani businessman Shahzada Dawood and mother of their child Suleman, was on board a support vessel when she learned that the Titan submersible was missing (BBC News screenshot/YouTube,

Photo by Handout / DAWOOD HERCULES CORPORATION / AFP)

Christine Dawood, the wife of Pakistani businessman Shahzada Dawood and mother of their child Suleman, was on board a support vessel when she learned that the Titan submersible was missing (BBC News screenshot/YouTube, Photo by Handout / DAWOOD HERCULES CORPORATION / AFP)

The submersible began its journey on Sunday morning, June 18. About one hour and 45 minutes into its descent, the vessel lost contact with the Polar Prince, the support ship that transported it to the site.

"We all thought they are just going to come up," Christine said, according to 1 News. "That shock was delayed about 10 hours or so. There was a time... where they were supposed to be up on the surface. When that time passed, that is when the... worry and not so good feelings started."

Christine had "loads of hope" during the massive search for the submersible, and said it was the "only thing that got us through it". "There were so many actions on the sub that people can do in order to surface," she said of her belief that the passengers may survive. "It was like a rollercoaster, more like a wave... We kept looking at the surface." However, she "lost hope" when the 96-hour mark passed.

सुहाना खान ने किया अपने पिता को प्राउड फील करवाने का काम, अलीबाग में खरीदी इतनी

जिस तरह बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान ने अपने जीवन मे मेहनत करके नाम कमाया है और जी तोड़ मेहनत कर अपने अपने बच्चो की परवरिश मे कोई कमी नहीं छोड़ी ऐसा ही कुछ किंग खान की लाड दुलारी ने किया है बता दे, सुहाना खान ने अपने पिता को प्राउड फील कराया है। उससे पहले आपको बता दे, जल्द ही सुहाना फिल्म द आर्चीज के जरिए बॉलीवुड मे कदम रखने जा रही है। बॉलीवुड मे सुहाना के आने का काफी समय से लोग इंतजार करते दिखाई दे रहे है ऐसे मे सुहाना का बॉलीवुड मे कदम रखना उनकी फैमिली और फैंस के लिए प्राउड मोमेंट बना है। इस सब से हटकर क्या आप जानते है फिल्म रिलीज से पहले ही सुहाना खान ने अपने लिए करोड़ो की प्रॉपर्टी खरीदी है जिसकी कीमत जानकर शायद आपके भी होश उड़ जाए। अलीबाग मे तीन घरो के साथ 1.5 एकड़ की प्रॉपर्टी सुहाना खान ने 12.91 करोड़ मे खरीदी है। सामने आई जानकारी के मुताबिक इस प्रॉपर्टी का रजिस्ट्रेशन हालिया मे बीती एक जून को हुआ है। वही स्टाम्प शुल्क की बात करे तो वो 77.46 लाख रुपये का रहा। आपकी जानकारी के लिए बता दे, सुहाना खान ही पहली नही है जिन्होने अलीबाग मे ये प्रॉपर्टी ली, इससे पहले अलीबाग मे घर और जमीन खरीदने का काम दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा जैसे स्टार्स पहले ही कर चुके है।

इसके अलावा आपकी जानकारी के लिए बता दे, ये जमीन तीन बहनो रेखा,प्रिया और अंजलि से खरीदी गई थी। जिन्हे ये जमीन अपने माता–पिता से विरासत में मिली थी। ये प्रॉपर्टी डेजा वू फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर रजिस्टर है, जिसके निर्देशक शाहरुख खान की सास और भाभी नमिता छिब्बर है।

निया शर्मा की ये हद से ज्यादा रिवीलिंग लुक कर देगा हैरान, एक्ट्रेस ने बोल्डनेस की सारी सीमाओं को किया पार

छोटे पर्दे की बेहद ही बोल्ड एक्ट्रेस कही जाने वाली निया शर्मा आए दिन सुर्खियो मे छाई रहती है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है जहां वो अपने फैंस के लिए अपने लेटेस्ट फोटोज और वीडियो अपलोड करती रही है। वही एक्ट्रेस की फोटोज पर फैंस भी जमकर अपने रिएक्शन देते नजर आते है। इसी बीच अब सोशल मीडिया पर निया अपने बोल्डनेस से दी है। जहां एक्ट्रेस लेटेस्ट तस्वीर पसीने छुड़ा देंगी। निया शर्मा की कुछ बोल्ड तस्वीरें सामने जिनमे निया पानी में आग नजर आ रही है। निया की जमकर रहे है तो वही ट्रोल्स और मौका मिल निया शर्मा को ट्रोल निया शर्मा ने अपने अकाउंट को करते हुए कुछ शेयर की है। इन

ने फिर आग लगा दी ये आपके भी दरअसल, हद ही आई है, समन्दर के लगाती जहां फैंस तारीफ कर को एक गया है करने का। इंस्टाग्राम अपडेट तस्वीरें फोटोज मे

निया शर्मा व्हाइट कलर की मोनोकिनी मे नजर आ रही है। निया ने इस रिवीलिंग मोनोकिनी मे बोल्डनेस की सारी हदे पार कर दी है। साथ ही खुले बालों और काले चश्मे मे निया को देख फैंस की धड़कने तेज हो गई है। लेकिन ट्रोल्स को निया शर्मा का ये अंदाज बिल्कुल भी पसंद नही आया है। निया को रिवीलिंग मोनोकिनी मे देख ट्रोल्स भड़क गए है।वही अब एक्ट्रेस के इन तस्वीरो पर ट्रोलर्स जमकर निशाना साधते दिखाई दे रहे है। जहां एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है की–उफ ये देखने के बाद लड़को के साथ–साथ लड़कियो की भी सांसे रुक जाती है, वही एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है की– ऐसे–ऐसे लोगो की वजह से देश बर्बाद हो रहा है इसको कौन सा फैशन सेंस बोलते है। वही अब इस तरह के ढेरो कमेंट कर यूजर्स लगातार एक्ट्रेस को ट्रोल करते नजर आ रहे है।

ब्लैक कॉफी पीने से दूर होते है एक नहीं अनेक रोग, जानिए कैसे

ब्लैक कॉफी मे पर्याप्त मात्रा मे कैफीन पाया जाता है। जोकि एंटी ऑक्सीडेंट से भरपूर होती है। इसके

सेवन से शरीर कई तरह की गंभीर बीमारियो से दूर रखता है। बता दे कि इसमें मैग्नीशियम, विटामिन बी3, मैग्नीज, पोटैशियम, विटामिन बी5, विटामिन बी2 मौजूद होते है। जो हमारे दिमाग ब्रेन को बेहतर तरीके से फंक्शन करने मे मदद करती है। तो चलिए जानते है इसके सेवन से सेहत को होने वाले फायदे।

डिप्रेशन को करे दूर

ब्लैक कॉफी डिप्रेशन, चिंता, तनाव को दूर करने का काम करती है। क्योंकि इसमें मौजूद कैफीन आपके दिमाग और नर्वस सिस्टम दोनो को उत्तेजित रखता है। साथ ही शरीर मे चर्बी को जनरेट कर बढ़ते वजन को कम करने मे सहायक है। ब्लैक कॉफी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह फिजिकल एक्टिविटी के दौरान आपकी बॉडी को एनर्जी देती है। कॉफी मे कैफीन पाया जाता है, इसका इस्तेमाल वर्कआउट से पहले कुछ मात्रा मे करने से एनर्जी मिलती है।

दिल को रखे हेल्दी

रोजाना एक से 2 कप ब्लैक कॉफी के सेवन से दिल का दौरा पडने की आशंका कम हो जाती है। इससे साथ ही ब्लैक कॉफी पीने से आपके शरीर के भीतर किसी भी किस्म के इन्फ्लेमेशन या सूजन मे कमी आती है।

डायबिटीज रखे दूर

ब्लैक कॉफी डायबिटीज के खतरे को कम करने मे मदद करती है। ब्लैक कॉफी शरीर मे इंसुलिन के उत्पादन मे मदद करती है जिससे डायबिटीज का खतरा कम हो जाता है।

लीवर के लिए फायदेमंद

लीवर हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग माना जाता है क्योंकि यह कई सारे कामो को अंजाम देता है। बता दे कि ब्लैक कॉफी लिवर कैंसर, हेपेटाइटिस, फैटी लीवर और एल्कोहलिक सिरोसिस जैसी बीमारियो से आपके लिवर को मुक्त कराती है।

आपको खुश रखती है

ब्लैक कॉफी पीना आपकी मूड को बेहतर करता है और आप उदासी से दूर होते है। ब्लैक कॉफी आपके दिमाग के उन हिस्सों को एक्टिवेट करती है जो अच्छे मूड के लिए जिम्मेदार होते है।

कॉफी रखता है एनर्जेटिक

कॉफी मे पर्याप्त मात्रा मे कैफीन की मात्रा पाई जाती है, जो आपको एनर्जेटिक और तरोताजा महसूस कराने मे मदद करता है। यह नर्वस सिस्टम को उत्तेजित करता है। जिससे आपका दिमाग तेजी से काम करता है। ऐसे मे आप रोजाना ब्लैक कॉफी का सेवन करें।

मेमोरी बढ़ाने में कारगर

जैसे– जैसे उम्र बढ़ती है कई लोगो का दिमाग कमजोर हो जाता है। जिससे अल्जाइमर और पैर्किंसंस जैसी बीमारियो का खतरा उत्पन्न होने डर बना रहता है। ब्लैक कॉफी का सेवन आपको इन बीमारियो से निजात दिलाने मे मददगार हो सकता है। यह आपकी मेमोरी और चीजों को पहचानने की क्षमता मे वृद्धि करता ह। ऐसे मे आपको रोजाना ब्लैक कॉफी का सेवन करना चाहिए।

इस तरह बनाएं ब्लैक कॉफी

अगर आपका ब्लैक कॉफी पीने का मन है तो पहले पानी को अच्छे से उबालें और उसमे 1 चम्मच ब्लैक कॉफी मिक्स करें। लेकिन खाली पेट इसका सेवन न करें।

नस पर नस चढ़ जाए तो अपनाएं ये देसी उपाय, फौरन मिलेगा आराम

अक्सर कई लोगो के साथ होता है कभी–कभी उठते–बैठते या अंगड़ाई लेते समय शरीर के किसी भी हिस्से की नस चढ़ जाती है। जिससे पीड़ित को भयंकर दर्द, झुनझुनी और बेचैनी का सामना करना पड़ता है। यह दर्द इतना तेज होता है कि आपका चलना–फिरना तक मुश्किल हो जाता है। ऐसे मे कुछ देसी उपाय अपनाकर इस दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है।

नस चढ़ने के क्या है कारण

खराब लाइफस्टाइल के चलते कई बार सोते समय कुछ महिलाओ सहित अन्य लोगो के कंधे, गर्दन और हाथ–पैरो की नस चढ़ जाती है। ऐसा बॉडी मे न्यूट्रिशन की कमी के कारण होता है। बता दें कि विटामिन सी शरीर मे लचीलेपन को बनाए रखने में मदद करता है। यह ब्लड सेल्स को भी मजबूत बनाता है, जिसके कारण स्किन हेल्दी नजर आती है। विटामिन सी की कमी से ब्लड सेल्स कमजोर हो जाते है, जिसके कारण आसानी से नस एक के ऊपर एक चढ़ जाती है। नस चढ़ने से काफी तेज दर्द होता है।

जब भी आपको ऐसा महसूस हो कि आपकी नस चढ़ गई है तो उसी समय अपनी उंगली के नाखून के नीचे वाले भाग को जोर–जोर से दबाएं और तब तक दबाएं जब तक नस पर नस चढ़ने वाला दर्द शांत ना हो जाए। यह दर्द उस बिंदु को दबाने से सिर्फ 3 मिनट में ठीक हो सकती है और परिस्थिति सामान्य हो सकती है। इतना ही नहीं इस समस्या में आप एकदम अगर अपने पैर को झटके उससे भी आपको आराम मिलेगा। वहीं साथ में आप अपने ब्लड सरकुलेशन को बेहतर करने के लिए अपने हाथों से मसाज करें। ऐसा करने से आपकी परेशानी दूर होगी।

गर्म सिकाई करें

पैर की नस पर नस चढ़ जाए, तो आप गर्म पानी का सेक भी लगा सकते है। इसके लिए आप हीटिंग पैड को प्रभावित स्थान पर लगाएं और थोड़ी देर के लिए ऐसे ही रख दें। 1–2 मिनट में ही आपको दर्द से आराम मिल जाएगा।

स्ट्रेचिंग करें

इसके लिए आप अपने हाथों से पैरो को स्ट्रेच कर सकते है या फिर पैर को झटक भी सकते है। अगर आपको अकसर ही नस पर नस चढ़ जाती है तो आपको रोजाना एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी होता है। रेगुलर एक्सरसाइज करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहता है और नस पर नस चढ़ने की समस्या से भी राहत मिलती है।

विपक्षी एकता की सफलता के लिए, हितधारकों को कुछ बलिदान करने की जरूरत है : सैम पित्रोदा

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। टेक्नोक्रेट और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी एकता की सफलता के लिए, हितधारकों को कुछ बलिदान करने की जरूरत है। इसमें उनके व्यक्तिगत हित शामिल हैं। उनका बयान 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए एकजुट होने के उद्देश्य से पटना में विपक्ष की बैठक से पहले आया है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-3 (यूपीए-3) 2024 में एक संभावना है, जैसा कि 2004 और 2009 में हुआ था, लेकिन पार्टियों को अपने व्यक्तिगत हितों को दरकिनार करके कुछ बलिदान करने की जरूरत है। यदि पार्टियां राष्ट्र के लिए बलिदान देने को तैयार हैं, तो गठबंधन मजबूत होकर उभरेगा, लेकिन यदि उनका ध्यान व्यक्तिगत हितों पर है, तो साझेदारी टूट जाएगी। वीडियो कॉल के माध्यम से एक साक्षात्कार में, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी के साथ मिलकर काम कर चुके पित्रोदा ने कहा, मुझे लगता है कि हम सभी को एहसास हुआ है कि यह गठबंधन 2024 लोकसभा के लिए महत्वपूर्ण है। अगर सभी पार्टियां एक साथ आएं और एकजुट उम्मीदवार खड़ा करें, तो 60 फीसदी वोट बंटेंगे नहीं। उन्होंने कहा, गठबंधन करना एक अच्छा विचार है, लेकिन सवाल यह है कि वे एक साथ आने और भाजपा के खिलाफ एक उम्मीदवार खड़ा करने में कितने सफल होंगे। उन्होंने कहा, अगर वे ऐसा करते हैं, तो यह एक जीत होगी। अगर वे 543 में से 200 उम्मीदवारों के लिए भी ऐसा करते हैं, तो ठीक है। बैठक सभी नेताओं के विवेक के आधार पर तय करेगी कि क्या संभव है और क्या नहीं।

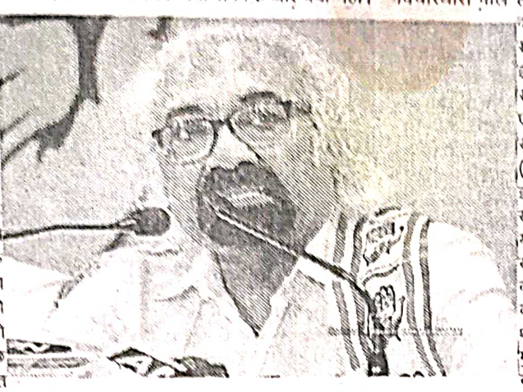

वह पटना में होने वाली पहली विपक्षी बैठक के बारे में एक सवाल का जवाब दे रहे थे और पूछा गया था कि क्या उन्हें लगता है कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन 3 एक संभावना है। विपक्षी एकता पर टिप्पणी करते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, इनमें से कई नेताओं को बलिदान की आवश्यकता होगी और यदि वे देश की खातिर बलिदान देने को तैयार हैं, तो गठबंधन मजबूत होगा। यदि वे व्यक्तिगत हित पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं तो गठबंधन सफल नहीं होगा। उनकी टिप्पणी तब आई है, जब विपक्षी दलों की पहली बैठक पटना में होने वाली है, जहां कई शीर्ष नेता आम चुनावों के लिए रणनीति तैयार करने के लिए पहुंचे हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका चौधरी ने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यूपीए 3 का गठन होता है या कुछ और आकार लेता है। लोकतंत्र में अगर कोई शून्य है, क्योंकि आज एक शून्य है। भारत में लोकतंत्र में शून्यता। समान विचारधारा वाले लोगों द्वारा लोकतंत्र को बहाल करने, इसे स्थापित करने और इसे मजबूत करने के सामान्य लक्ष्य के साथ एक प्रयास किया जा रहा है, एक अभ्यास (विपक्षी बैठक) और इसके लिए मैं बहुत खुश हूं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी दलों को एक साथ लाने की बातचीत शुरू की थी। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) नेता नीतीश कुमार, शिवसेना प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन को फोन किया था।

उनके आह्वान के बाद, नीतीश कुमार ने पहल की और 12 अप्रैल को अपने डिप्टी और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव के साथ राष्ट्रीय राजधानी में मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की। इसके बाद कुमार ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार, ठाकरे, आप नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, सीपीआई-एम नेता सीताराम येचुरी, सीपीआई नेता डी राजा जैसे कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात की।

सहायक आबकारी आयुक्तों और जिला आबकारी अधिकारियों के तबादले

लखनऊ(संवाददाता)। आबकारी आयुक्त सेंथिल पांडियन सी. ने बताया कि तबादला नीति 2023-24 में दिये गये निर्देशानुसार 36 सहायक आबकारी आयुक्त/जिला आबकारी अधिकारियों को उनके वर्तमान स्थान से बदलाव करते हुए नये जगहों पर स्थानान्तरित किया गया है तथा एक नव प्रोन्नत सहायक आबकारी आयुक्त की तैनाती भी की गयी है। इसके अन्तर्गत सहायक आबकारी आयुक्त जिला आबकारी अधिकारी के पदों पर राजेश त्रिपाठी को बस्ती, उमेश चन्द्र पाण्डेय को जौनपुर, मृत्युन्जय प्रताप सिंह को बलरामपुर, सुबोध कुमार को गौतमबुद्धनगर, वरुण कुमार को बिजनौर, राजवीर सिंह को खीरी, राजेन्द्र प्रसाद को बांदा, उदय प्रकाश को शाहजहाँपुर, रविशंकर द्वितीय को सहारनपुर, कुलदीप दिनकर को बाराबंकी, नवीन कुमार सिंह को बागपत, अखिलेश कुमार सिंह को अम्बेडकरनगर, राकेश बहादुर सिंह को मुजफ्फरनगर, अनूप शर्मा को एटा, प्रदीप दूबे को हरदोई, राजेन्द्र प्रसाद वर्मा को महोबा, अतुल कुमार श्रीवास्तव को गोण्डा जनपद, ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी को कुशीनगर, घनश्याम मिश्रा को श्रावस्ती, राजेश प्रसाद को कौशाम्बी, सुधीर कुमार को फर्रुखाबाद, पवन कुमार को आजमगढ एवं कृष्ण मोहन को हाथरस तैनात किया गया है इसके अलावा सहायक आबकारी आयुक्त डिस्टलरी के पद पर सत्य प्रकाश पाण्डेय को जैन आसवनी, संतोष कुमार को कायमगंज आसवनी, गिरीश चन्द्र वर्मा को खम्भारखेडा, प्रमोद कुमार गिरि को तिलवरिया आसवनी एवं अभय गंगवार को धामपुर आसवनी, बिजनौर स्थानान्तरित किया गया है। नरेन्द्र सोनकर को प्रवर्तन-1 अलीगढ, निरंकार नाथ पाण्डेय को प्रवर्तन-1 सहारनपुर, वाचस्पति शुक्ला को प्रवर्तन-1मुरादाबाद, मनोज कुमार गौतम को प्रवर्तन-2 गोरखपुर, बजरंग बहादुर सिंह को प्रवर्तन-4 मेरठ, बच्चा लाल को प्रवर्तन-1 अयोध्या तथा बीरबल प्रसाद मानिक को प्रवर्तन-1 लखनऊ के पद पर तथा योगेन्द्र कुमार सिंह को सहायक आबकारी आयुक्त लाइसेंसिंग मुख्यालय के पद पर तैनात किया गया है आबकारी आयुक्त द्वारा यह भी बताया गया कि अरविन्द कुमार सिंह को आबकारी निरीक्षक से सहायक आबकारी आयुक्त के पद पर नोशनल प्रोन्नति प्रदान करते हुए दौराला आसवनी मेरठ में तैनाती दी गयी है।

विदेश सचिव ने प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा को अभूतपूर्व और पथप्रदर्शक बताया

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा को अभूतपूर्व और पथप्रदर्शक बताया। उन्होंने कहा कि तकनीकी सहयोग भारत और अमेरिका के बीच चर्चा के प्रमुख बिंदुओं में से एक था। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री की अमेरिका की यात्रा के सबसे महत्वपूर्ण परिणामों में से एक बताया। उन्होंने गुरुवार शाम (अमेरिकी समयानुसार) मीडिया ब्रीफिंग के दौरान संवाददाताओं से कहा, रक्षा से लेकर अंतरिक्ष और ऊर्जा तक सभी क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से उन्नत तकनीक सबसे महत्वपूर्ण परिणामों में से एक है।

उन्होंनेबताया कि मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच द्विपक्षीय चर्चा के दौरान पारिस्थितिकी तंत्र में तकनीकी सहयोग पर प्रमुखता से चर्चा की गई। विदेश सचिव ने बताया,इसमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, सेवाएं और अन्य क्षेत्रों में अनुसंधान में एक साथ काम करना शामिल है। क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान असाधारण गर्मजोशी और आतिथ्य की भावना दिखी, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति और प्रथम महिला जिल बाइडेन ने उन्हें प्रदान किया। विदेश सचिव ने कहा कि यह यात्रा बेहद सफल और समृद्ध रही है। उन्होंने यात्रा को पथ-प्रदर्शक बताया। भारत और अमेरिका ने सार्वजनिक-निजी संयुक्त कार्यबल भी लॉन्च किए, इनमें से एक खुले रेडियो एक्सेस नेटवर्क (आरएएन) के विकास और तैनाती पर है, जो मोबाइल नेटवर्क बनाने के लिए एक नया दृष्टिकोण है, जो स्मार्टफोन और उपकरणों को इंटरनेट और अन्य उपयोगकर्ताओं से जोड़ने के लिए आवश्यक है।

भारत का भारत 6जी और यूएस नेक्स्ट जी एलायंस इस सार्वजनिक-निजी शोध का सह-नेतृत्व करेंगे। क्वात्रा ने बताया कि क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (आईसीईटी) पर यूएस-इंडिया इनिशिएटिव का समर्थन करने के लिए, यूएस-इंडिया कमर्शियल डायलॉग प्रत्येक देश के स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को जोड़ने के लिए एक नया इनोवेशन हैंडशेक लॉन्च करेगा।

कांग्रेस ने माना मोदी जी को अकेले नहीं हरा सकते, राहुल गांधी के बयान पर स्मृति ईरानी का पलटवार

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी ने अपने खिलाफ मोर्चा बनाने के विपक्षी दलों के प्रयासों की शुक्रवार को आलोचना की और कहा कि कांग्रेस दूसरे दलों का समर्थन इसलिए मांग रही है क्योंकि वह 2024 के लोकसभा चुनाव में 'अकेले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हराने में असमर्थ है।' अगले साल होने वाले आम चुनावों के लिए भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने का खाका तैयार करने के लिए विपक्षी दलों के शीर्ष नेता शुक्रवार को पटना में बैठक कर रहे हैं। बैठक की मेजबानी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने की।

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने यहां भाजपा मुख्यालय में जनता दल (यूनाइटेड) और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि यह 'विडंबना' है कि आपातकाल के दौरान 'लोकतंत्र की हत्या' के गवाह रहे कुछ नेता पटना में कांग्रेस की छत्रछाया में एकत्र हुए हैं। ईरानी ने दावा किया कि विपक्षी दलों की बैठक का संदेश है कि वे अपने दम पर मोदी का मुकाबला करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, "मैं विशेष रूप से कांग्रेस का आभार व्यक्त करना चाहती हूं जिसने सार्वजनिक तौर पर घोषित कर दिया है कि वह अकेले मोदी को हराने में नाकाम है। इसलिए उसे सहारे की जरूरत है। उन्होंने कहा, "सत्ता महलों से निकलकर लोगों के पास चली गई है। यही कारण है कि जो लोग अपनी राजनीतिक विरासत पर घमंड करते हैं, उन्हें अब उन लोगों के पास जाना पड़ रहा है जिनको उन्होंने आपातकाल के दौरान सलाखों के पीछे डाल दिया था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए उन्होंने राज्य के भागलपुर जिले में गंगा नदी पर हाल ही में पुल ढहने की घटना का जिक्र किया और पूछा, 'जो लोग एक पुल नहीं बना पाए वे लोकतांत्रिक पुल क्या खाक बनाएंगे?। ईरानी ने कहा, "जनता उन लोगों के बारे में सतर्क हो रही है जो विकास के मुद्दों पर एक साथ नहीं आ सके लेकिन अब ब्लैकमेल का रास्ता अख्तियार कर रहे हैं। राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, "भाजपा भारत को तोड़ने, हिंसा और नफरत फैलाने का काम कर रही है। कांग्रेस पार्टी देश को जोड़ने और मोहब्बत फैलाने का काम कर रही है।

आप जानते हैं कि नफरत को नफरत से नहीं खत्म किया जा सकता। नफरत को सिर्फ मोहब्बत से खत्म किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि देश में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो वाली विचारधारा और भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 'भारत तोड़ो वाली विचारधारा के बीच लड़ाई है। कांग्रेस नेता ने कहा, "देश की विपक्षी पार्टियां यहां आई हैं। एकसाथ मिलकर हम भाजपा को हराने जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी का डीएनए बिहार में है।

अधिक उत्पादकता वाले किसानों के अनुभवों का लाभ दिलाने हेतु गन्ना किसानों को विभाग कराएगा विजिट- भूसरेड्डी

लखनऊ(संवाददाता)। प्रदेश के गन्ना आयुक्त संजय आर. भूसरेड्डी ने बताया कि कम लागत मे अधिक उत्पादन प्राप्त करने वाले कृषको के अनुभवो का लाभ लिये जाने हेतु आसपास के क्षेत्रों के निकटवर्ती किसानो, जो उस ग्राम अथवा आस–पास के ग्रामों के निवासी है, को प्रगतिशील किसानों के खेतो पर विजिट कराने हेतु समस्त उप गन्ना आयुक्तो एवं जिला गन्ना अधिकारियो को निर्देश जारी किये गये है। इस विजिट के माध्यम से किसान प्रगतिशील किसानों के अनुभवो, विचारो, शस्य क्रियाओ, अपनायी गयी तकनीकी विधियो एवं तकनीकी जानकारियों के आधार पर अपनी खेती में सुधार ला सकेंगे तथा गन्ने की खेती के माध्यम से अपनी आमदनी बढा सकेगे। गन्ना आयुक्त ने बताया कि प्रगतिशील गन्ना किसानों को अधिक उत्पादन प्राप्त करने एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हेतु हॉल ही में मुख्यमंत्री के कर–कमलों से उत्कृष्टता एवं उत्पादकता पुरस्कार प्रदान किये गये हैं। गन्ना प्रतियोगिताओं के अन्तिम परिणामो मे प्रगतिशील किसानो के प्लाटो पर 2,655 कुन्तल प्रति हेक्टेयर का उत्पादन लिये जाने की स्थिति पाई गई, जबकि प्रदेश की औसत गन्ना उपज 823 कुन्तल प्रति हेक्टेयर है। ऐसी स्थिति में विभिन्न परिक्षेत्रों में लगभग 30 से 35 शिक्षित एवं युवा तथा महिला किसान हैं जो खेती को उद्यम के रूप में अपनाकर नवोन्मेषी तकनीकों द्वारा कम लागत में अधिक गन्ना एवं अन्य फसलों का अच्छा उत्पादन प्राप्त कर रहे है, इनके अनुभवों का लाभ अन्य किसानों को भी मिलना चाहिए।श्री भूसरेड्डी द्वारा परिक्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये है कि अधिक गन्ना उत्पादन प्राप्त कर रहे एवं उत्पादकता पुरस्कार प्राप्त किसानों के फार्मो पर अन्य किसानो को विजिट कराने से पूर्व प्रत्येक जिले मे 1,200 कुन्तल प्रति हेक्टेयर से अधिक गन्ना उपज प्राप्त करने वाले किसानों की सूची तैयार की जाये तथा उच्च उत्पादन प्राप्त करने वाले एवं अभिनव तकनीक द्वारा खेती करने वाले युवा किसानों के खेतों पर प्रदर्शन कराये जायें।इन खेतो पर विजिट के समय युवा किसानों तथा उच्च उत्पादकता लेने वाले गन्ना किसानों के अनुभव विजिट करने वाले किसानों के साथ साझा कराये जायें जिससे संवाद एवं विचारों का आदान–प्रदान कृषकों के बीच हो सके और इस दौरान विभागीय अधिकारियों अथवा कार्मिकों का हस्तक्षेप न्यूनतम रहे। इस विजिट के समय प्रगतिशील किसानों के साथ अन्य किसानों की संवाद वाली 03 से 05 मिनट की लघु वीडियो क्लिप एवं फोटोग्राफ भी तैयार कर विभागीय वेबसाइट एवं सोशल मीडिया यथा–विभागीय यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर पर अपलोड कराये जायें, जिससे यह किसानों के लिए सुलभ रहे। इन वीडियो क्लिप्स तथा फोटोग्राफ्स का व्यापक प्रचार–प्रसार भी कराया जाये।

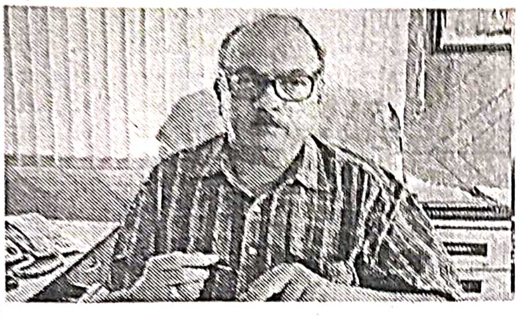

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले, विपक्षी गठबंधन बुरी तरह होगा नाकाम, 2024 में बनेगी बीजेपी सरकार

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए पटना में आज विपक्षी दलों की बैठक हो रही है। इस बैठक को लेकर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन बुरी तरह नाकाम होगा और 2024 में बीजेपी की ही सरकार बनेगी।

लोकसभा चुनाव में भाजपा की ही जीत होगी। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा ने 80 की 80 सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए भाजपा जोरों शोरों से तैयारियों में जुटी है। उधर विपक्ष ने इस बार बीजेपी को हराने के लिए एक खास रणनीति बनाई है। इस रणनीति के तहत ही आज पटना में विपक्षी बैठक हो रही है। नीतीश कुमार की अगुवाई में 11 बजे से शाम चार बजे तक गैर बीजेपी नेता बैठक कर रहे हैं। चुनाव से पहले विपक्षी एकता की बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बीजेपी को हराने के लिए विपक्षी नेताओं की बैठक में साझा एजेंडे पर सहमति बनने की उम्मीद है। इस बैठक में शामिल हुए सभी विपक्षी दलों का सबसे पहला लक्ष्य पीएम मोदी को सत्ता से हटाना है। इसके लिए सभी विपक्षी नेता मिलकर रणनीति बनाएंगे। दूसरी तरफ सत्ता पक्ष विपक्षी बैठक को लेकर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दे रहा है। बिहार समेत उत्तर प्रदेश की सियासत में गैर बीजेपी नेताओं का एक साथ बैठना चर्चा का विषय बना हुआ है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी गैर बीजेपी नेताओं के महाजुटान को ठग्स ऑफ गठबंधन बता चुके हैं। वहीं, डिप्टी सीएम का कहना है कि विपक्षी गठबंधन बुरी तरह नाकाम होगा और जीत सिर्फ भाजपा की ही होगी।

हिंदुस्तान में चल रही विचारधारा की लड़ाई, सभी एकजुट होकर बीजेपी को हराएंगे, विपक्ष की बैठक से पहले बोले राहुल गांधी

पटना। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने विपक्षी दलों की बैठक से पहले शुक्रवार को कहा कि देश की विपक्षी पार्टियां एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी को पराजित करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि देश में कांग्रेस की 'भारत जोड़ो वाली विचारधारा और भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 'भारत तोड़ो वाली विचारधारा के बीच लड़ाई है।

दरअसल, विपक्षी एकता की बैठक में शामिल होने पटना आए राहुल गांधी बिहार कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, "हिंदुस्तान में विचारधारा की लड़ाई चल रही है। एक तरफ कांग्रेस की 'भारत जोड़ो वाली विचारधारा और दूसरी तरफ भाजपा और आरएसएस की भारत तोड़ो वाली विचारधारा है। इसलिए हम बिहार आए हैं। कांग्रेस पार्टी का डीएनए बिहार में है। उन्होंने

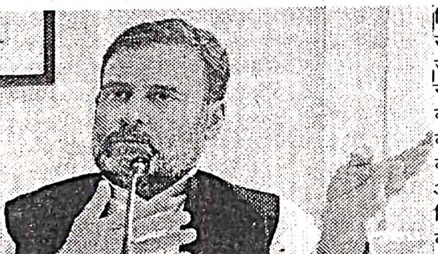

'भारत जोड़ो यात्रा में मदद के लिए बिहार के लोगों को धन्यवाद किया। राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, "भाजपा भारत को तोड़ने, हिंसा और नफरत फैलाने का काम कर रही है। कांग्रेस पार्टी देश को जोड़ने और मोहब्बत फैलाने का काम कर रही है। आप जानते हैं कि नफरत को नफरत से नहीं खत्म किया जा सकता। नफरत को सिर्फ मोहब्बत से खत्म किया जा सकता है। कांग्रेस नेता ने विपक्षी नेताओं की बैठक का उल्लेख करते हुए कहा, "देश की विपक्षी पार्टियां यहां आई हैं। एकसाथ मिलकर हम भाजपा को हराने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "कर्नाटक में भाजपा के नेताओं ने लंबे लंबे भाषण दिए, लेकिन नतीजा क्या हुआ, आपने देख लिया। कांग्रेस जैसे ही एकसाथ खड़ी हुई, भाजपा गायब हो गई। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में भाजपा कहीं नहीं दिखेगी, कांग्रेस जीतेगी।

यूपी बोर्ड पाठयक्रम में सावरकर को जोड़ना सरकार की ओछी मानसिकता : रालोद

लखनऊ(संवाददाता)। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मीडिया प्रभारी सुरेन्द्रनाथ त्रिवेदी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा यूपी बोर्ड के पाठ्यक्रम में विनायक दामोदर सावरकर की जीवन को50 अन्य महापुरुषों के जीवन परिचय के बहाने से जोड़ना सरकार की ओछी मानसिकता के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है। महापुरुषों में जो भी नाम गिनाये जा रहे हैं उन सभी का जीवन परिचय किसी न किसी विषय के माध्यम से पाठ्यक्रम में जुड़े हुए है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, राजाराम मोहन राय, विनोबा भावे स्वामी विवेकानंद, गोपाल कृष्ण गोखले आदि सैकड़ों विद्वान महापुरुष एवं स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक के रूप में हिन्दी, अंग्रेज़ी, सामाजिक विज्ञान, इतिहास तथा नागरिक शास्त्र आदि विषयों के माध्यम से कक्षा 9 से 12 तक पढ़ाये जाते रहे है।श्री त्रिवेदी ने कहा कि देश की नई शिक्षा नीति के अनुसार प्रदेश के नौनिहालों को नई दिशा देने के उद्देश्य से ऐसे महापुरुषों, स्वतंत्रता सेनानियों तथा समाज सुधारकों का जीवन परिचय पाठ्यक्रम में जोड़ा जाता जिन्होंने देश और समाज की भलाई के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कुर्बानियां दी है। कृषि प्रधान देश में छोटी कक्षाओं से लेकर इंटरमीडिएट, स्नातक और परास्नातक तक किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह, मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महापुरुषों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व विस्तार से जोड़ा जाय तथा शोध का विषय बनाया जाय। रालोद के प्रदेश मीडिया प्रभारी ने कहा कि प्रदेश सरकार का यह सातवां शिक्षा सत्र चल रहा है लेकिन अब तक किसी भी सत्र में वर्तमान प्रदेश सरकार ने समय से पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध नहीं कराई है। जिससे स्पष्ट होता है कि प्रदेश की शिक्षा के प्रति भारतीय जनता पार्टी कितना सकारात्मक सोचती है। यूपी बोर्ड के प्रति पाठ्यक्रम की काट छांट लगातार करते रहने से ही प्रदेश में आईसीएसई और सीबीएसई बोर्डो के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है।

शाहजहांपुर में बाइक सवार 5 लोगों को अज्ञात वाहन ने रौंदा

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में आज सुबह सड़क हादसे में बाइक सवार 5 लोगों की मौत हो गई। किसी अज्ञात वाहन ने बाइक सवार पांच लोगो के पीछे से टक्कर मार दी, जिससे सभी की मौत हो गई। घटना सेहरामऊ दक्षिणी थानांतर्गत देलावपुर गांव की है। मिली जानकारी के मुताबिक बाइक सवार 5 लोग शाहाबाद शादी से घर लौट रहे थे।इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया। इस हादसे में बाइक सवार पुरुष, 2 महिलाएं और दो बच्चों की मौत हुई। बाइक सवार शाहजहांपुर जिले के तिलहर और जैतीपुर के रहने वाले थे। पुलिस ने दो बच्चों को जिला अस्पताल भिजवाया जहां डॉक्टर ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया।

चारधाम यात्रा 2023 में ग्रीनकार्ड जीपीएस लगे वाहनों को ही मिलेगा

देहरादून। चारधाम यात्रा–2023 को लेकर विभाग ने निर्णय लिया है कि अब ग्रीन कार्ड तभी नवीनीकृत किए जाएंगे, जब वाहन में जीपीएस लगा होगा। इस समय विभाग में 10 हजार से अधिक वाहनों में जीपीएस लगाया जाना है। संयुक्त आयुक्त परिवहन एसके सिंह ने कहा कि वाहनों का ग्रीनकार्ड तभी जारी किया जाएगा, जब उनमें जीपीएस लगा होगा। जीपीएस नहीं तो ग्रीन कार्ड भी नहीं मिलेगा। दरअसल, उत्तराखंड में अब बिना जीपीएस लगाए व्यावसायिक वाहनों को चारधाम यात्रा में वाहन संचालन के लिए ग्रीन कार्ड जारी नहीं किया जाएगा। परिवहन विभाग द्वारा इसके लिए व्यावसायिक वाहन स्वामियों को जीपीएस लगाने के लिए दी गई समय सीमा समाप्त हो चुकी है। ऐसे में अब उसी वाहन को ग्रीनकार्ड जारी किया जाएगा, जिसमें जीपीएस लगा होगा। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण वाहनों की तेज रफ्तार भी है। वाहनों की रफ्तार पर नजर रखने के लिए केंद्र सरकार ने सभी वाहनों में जीपीएस आधारित व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस सिस्टम (वीएलटीएस) लगाना अनिवार्य किया है।

वर्ष 2019 के बाद बनने वाले सभी व्यावसायिक वाहनोंमेंकंपनियांही ये डिवाइस लगाकर दे रही है। इससे पहले के वाहनों मेंइसे लगाया जाना है। इससे यह जानकारी मिल जाती है कि वाहन किस गति से चल रहा है, कहां चल रहा है और किस प्रकार चल रहा है। इस पर परिवहन मुख्यालय में बने कंट्रोल रूम से नजर रखी जाती है। सरकार ने गत वर्ष चारधाम यात्रा से पहले, वाहनों में जीपीएस लगाना अनिवार्य किया था। वाहन स्वामियों के विरोध को देखते हुए इसे एक वर्ष तक के लिए टाल दिया गया। इस वर्ष फिर इसे लागू करने की बात हुई तो वाहन स्वामियों ने इसके लिए कुछ वक्त मांगा। ऐसे में विभाग ने इन्हें 31 मई तक का समय दिया। अब यह समय सीमा समाप्त हो चुकी है। इस बीच सभी यात्रा मार्ग पर चलने वाले वाहनों को ग्रीन कार्ड जारी कर दिए गए है। ये ग्रीन कार्ड छह माह तक के लिए दिए गए है। विभाग ने निर्णय लिया है कि अब ग्रीन कार्ड तभी नवीनीकृत किए जाएंगे, जब वाहन में जीपीएस लगा होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग, बक्शीपुर, जनपद – गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला –द्वितीय तल, पुष्पांजलि काम्पलेक्स शाही मार्केट, गोलघर,जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

सम्पादक
शक्ति शंकर

मो0 :- (+91) 7233999001